



गुमशुदा बिट्ठू की घर-वापसी





हैलो !

मैं बिट्टू आप सब को एक कहानी सुनाता हूँ ! मैं अपने घर में सबसे बड़ा हूँ। मेरे पिता जी बचपन में ही गुजर गये थे, मेरी मां मजदूरी करके किसी तरह मुझे और मेरी दो छोटी बहनों को पालती है। मैं गांव के सरकारी स्कूल में कक्षा 8 में पढ़ता हूँ। और शाम को स्कूल से आने के बाद घर के काम-काज में हाथ बटाता हूँ। मेरे दो अच्छे दोस्त हैं - राजू और छुटकी। मैं रोज शाम को जब भी समय मिलता है उनके साथ खेलता भी हूँ।

अचानक एक दिन...

कुछ हुआ...

आइये जरा देखते हैं क्या हुआ?

यह कहानी सिर्फ मेरी ही नहीं बल्कि उन सब बच्चों की है जिनका बचपन कभी कभी खो जाता है। आइये जरा पढ़िये, देखिये और सोचिये...

इस कहानी के पात्र



बिट्टू

- कहानी का मुख्य पात्र



मुनिया

- बिट्टू की मां



मौसी

- मुनिया की दीदी



रीना

- मौसी की बेटी



मास्टर जी

- गांव के सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक



प्रधान जी

- ग्राम प्रधान



राजू और छुटकी

- बिट्टू के दोस्त



ठेकेदार

- गांव का ठेकेदार



पुलिस अंकल

- इंस्पेक्टर

परिचय

बिट्टू के पिता नहीं हैं। मां, मुनिया मजदूरी कर किसी तरह बिट्टू और उसके छोटे भाई-बहनों को पाल रही है। बिट्टू स्कूल जाता था और मां के कार्यों में हाथ भी बटाता था। एक दिन गांव में खबर फैल गई कि बिट्टू गायब हो गया है। खबर राजू और छुटकी ने फैलाई। खबर अफवाह नहीं सच थी।



कक्षा का दृश्य - राजू, छुटकी और मास्टर जी



बिट्टू का घर - मास्टर जी, प्रधान जी, मुनिया बहन, मौसी और बिट्टू के दोस्त



अरे बिट्टू बेटा,
ओ बिट्टू बेटा। मैं हूँ
स्कूल से मास्टर जी।

आइये मास्टर जी,
पर बिट्टू तो अभी
घर पर नहीं है।



मुनिया बहन बिट्टू
हफते भर से स्कूल नहीं
आ रहा क्या बात है?
कहीं बीमार तो नहीं
पड़ गया?



नहीं बीमार
तो नहीं है

तो फिर कहां गया? बच्चे
कह रहे हैं कि वह गांव से
ही गायब हो गया?



अरे ये मुनिया
क्या बतायेगी,
मैं बताती हूँ...



क्यों मुनिया
बहन, ये मैं क्या
सुन रहा हूँ?

आज ही जब मैं शहर से आई तो
पता चला कि बिट्टू को इसने
गांव के ठेकेदार के पास काम
करने के लिये भेज दिया है।

मैं और क्या करती?
मैं मजबूर थी...

मजबूरी तो हम सब गरीबों की होती है, पर पढाई भी तो कोई चीज है। अरे, खर्च-पानी के लिये तेरा थोड़ा हाथ में ही बंटा देती, एक बार बोलती तो।

हां आप सही कह रही हैं; स्कूल में फीस भी नहीं देनी पडती, ड्रेस, खाना और किताबें भी मुफ्त मिलती है!



अरे पर ये तो बताओ कि कौन-सा ठेकेदार है वह?

गांव के किनारे डाकखाने के पास है उसका घर। वह दिन भर बिट्टू से घर का सारा काम कराता है और कहता है कि बिट्टू अब उसी के पास रहेगा।



अरे, यह तो वही आदमी है जिसकी पहले भी शिकायत हो चुकी है। वह तो बच्चों की तरकरी करने के जुर्म में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है। तुमने बिट्टू को वहां काम पर क्यों भेजा?



उसने हजार रुपये दिये थे और कहा कि बिट्टू अब एक साल तक वही काम करेगा और उसके बाद वह शहर में उसे किसी सेठ के यहां काम पर लगा देगा।



मैं आज जब उसके यहां गई तो उसने कहा कि वह हमारे बिट्टू को घर नहीं आने देगा।



हम लोग अभी जाकर उस ठेकेदार की खबर लेते हैं।

ठेकेदार का घर - मास्टर जी, प्रधान जी और ठेकेदार



अरे ओ ठेकेदार! जरा बाहर निकल और बता कि बिट्टू और बाकी बच्चों को कहां छिपा कर काम करा रहा है?



प्रधान जी मैं क्या जानूं। मुझे कुछ नहीं पता। कौन से बच्चे?

चुप करो। एक तो बच्चों से काम करा कर अपराध करते हो और ऊपर से झूठ भी बोल रहे हो। हमने थाने में फोन कर दिया था। पुलिस भी अभी आती ही होगी।



चल अन्दर चल।

घर के अंदर का दृश्य - बिट्टू के हाथ में झाड़ू है। वह आंगन की सफाई कर रहा है।



बिट्टू बेटा, क्या कर रहे हो?

मास्टर जी, अच्छा हुआ आप आ गये। मेरा मालिक मुझ से बहुत काम करवाता है। उसने और बच्चों को भी अंदर के कमरे में बंद कर रखा है और कल उन्हें शहर भेजने की तैयारी कर रहा है।



अंदर के कमरे का दरवाजा खोलते हुये...

बच्चों बाहर निकलो और घर चलो। हम तुम्हें लेने आये हैं। अब तुम्हें कोई नहीं सताएगा।



यह तुम्हारे काम करने के नहीं स्कूल जाने के दिन है।



हटो सामने से।

नहीं हटता, जो करना है कर लो।

(तभी पुलिस घटना स्थल पर पहुंचती है।)



खबरदार!
चलो अब थाने।

साब, मुझे माफ
कर दीजिये।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़
करते हुए उनकी तस्करी
कराते हुये तुम्हें शर्म नहीं
आती। अब तो कानून ही
तुम्हारी खबर लेगा।

बिट्टू, मास्टर जी और प्रधान जी बाहर निकलते हैं। साथ ही
पुलिस अंकल ठेकेदार को गर्दन से पकड़े बाहर निकालते हैं।



अच्छ हुआ कि आप लोगों
ने समय पर खबर दे दी।

चल तेरी अच्छी खबर
लूंगा मैं। एक बार तो तू
कानून की गिरफ्त से बच
गया पर अब नहीं बचेगा।



साब मैंने क्या
किया? इन बच्चों
के मां-बाप ने इसके
काम के बदले
मुझसे पैसे लिये है।

चल थाने चल, वहीं
चल कर बताऊंगा कि
किसने किसके साथ
क्या किया है?

घर पर - मुनिया, बिट्टू, बिट्टू की मौसी और मौसी की बेटी रीना





Department of Labour
Government of Uttar Pradesh
Lucknow

Supported by

unicef 
unite for children